



सारा जगत स्वतंत्रता के लिए लालायित रहता है  
फिर भी प्रत्येक जीव अपने बंधनों को प्यार करता  
है। यहीं हमारी प्रकृति की पहली दुरुल ग्रन्थी और  
विशेषज्ञता है।

- महर्षि अरविंद

## सिटी ब्रीफ

राहत : 199 पूजा विशेष  
द्वेष चलाई जा रहीं

बरेली, अमृत विचार : छठ महापर्व पर पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से कार्ड 199 पूजा विशेष द्वेष 2,913 फेरों के साथ चलाई जा रही है, ताकि यात्रियों को राहत मिले। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार इसमें से 117 ट्रेनें 1,551 फेरों में सीधे पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलाई जा रही हैं, जबकि 82 ट्रेनें 1,362 फेरों में पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। 28 अक्टूबर को चलने वाली प्रमुख पूजा विशेष गाड़ियों में 04824 मळ-जोधपुर सुबह 4:00 बजे मुख से प्रश्नान करेंगी, जो आजमगढ़, अयोध्या धाम जंशन, कानपुर सेंट्रल, कन्नौज व मथुरा जंशन होकर जाएंगी। 05062 टनकुर-अच्छेनगर सुबह 4:35 बजे टनकुर से घोड़ी, जो पीलीभीत, इज्जतनगर, कासमंज व मधुरा जंशन होकर जाएंगी। 01454 गांगजपुर सिटी-हडप्पर (पुणे) सुबह 5:25 बजे रवाना होने की ओर 5047 बनारस-कॉलकाता सुबह 10:45 बजे प्रस्थान करेंगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत  
13 दिसंबर को

विधि संवाददाता, बरेली, अमृत विचार : जिला विधिक योग प्राक्रिकरण के अंतर्गत एवं जयपद व्याधीय प्रकृति कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। एडीजे एवं संघविधि जिला विधिक सेवा प्राक्रिकरण उमा शक्ति करवाने ने बताया कि अदालत के माध्यम से लघु प्रकृति के बाद, वालानी बाद, 138 एनआई एक्ट के बाद, परिवारिक मामलों, मोरत दूर्दृष्टि दावा अधिकरण के बाद और बैंक संबंधी लोन के विवादों का निस्तारण सुलग वाले आपका एक विवाद होता है। परिवारिक स्वयंसेवकों की ओर से शहर व ग्रामीण क्षेत्र में पंक्लेट बाटकर प्रवार-प्रसार किया जा रहा है।

राजेंद्र नगर की हवा की  
सेहत अभी खराब

बरेली, अमृत विचार : दिवाली के एक साताह बाद भी शहर की हवा शुद्ध नहीं हो रही है। सिविल लाइस की स्थिति तो ठीक हो गई है लेकिन राजेंद्रनगर कालानी बाद, 138 एनआई एक्ट के बाद, परिवारिक मामलों, मोरत दूर्दृष्टि दावा अधिकरण के बाद और बैंक संबंधी लोन के विवादों का निस्तारण सुलग वाले आपका एक विवाद होता है। परिवारिक स्वयंसेवकों की ओर से शहर व ग्रामीण क्षेत्र में पंक्लेट बाटकर प्रवार-प्रसार किया जा रहा है।

ओपीडी में 1745 नए मरीजों का पंजीकरण हुआ। जबकि 2 हजार के करीब पुराने रेगिस्टरों को भी ओपीडी में इलाज दिया गया। 200 से अधिक मरीज वायरल बुखार के सामने आए। वही 70 मरीजों में मलेरिया के लक्षण होने पर जांच कराई गई लेकिन कोई मलेरिया से ग्रसित नहीं मिला। बुखार व गले के संक्रमण के मरीजों की संख्या ज्यादा रही। इस मौसम में गंभीर बीमारियों से ग्रसित बुजुंग और बच्चों का विशेष संख्या भी अधिक रही।

## अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा



छठ पूजा महापर्व के तीसरे दिन शिव पार्वती मंदिर में सामूहिक रूप से छठ महिया और सूर्य की पूजा करती ग्रन्थी महिलाएं।

- अमृत विचार

## ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़, पर्चा काउंटर पर तकरार

जिला अस्पताल में सबसे ज्यादा बुखार व गले के संक्रमण के मरीज पहुंचे, बुजुर्गों के लिए आरक्षित दो में से एक पर्चा काउंटर बंद रहा, झेली परेशानी

## कार्यालय संवाददाता, बरेली



जिला अस्पताल में पर्चा काउंटर पर लगी मरीजों की कतार।

● ओपीडी में 1745 नए मरीजों ने पंजीकरण कराया

फिजिशियन डॉ. वैभव ने बताया कि मौसम में बदलाव हो रहा है। अन्दरेखी करने से सेहत बिगड़ रही है, जिसके चलते लोग वायरल बुखार व गले की चपेट में आ रहे हैं। इस मौसम में गंभीर बीमारियों से ग्रसित बुजुंग और बच्चों का विशेष संख्या भी अधिक रही।



- अमृत विचार

## व्यवस्था लंगड़ी, जमीन पर दिव्यांग



बरेली, अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय में सोमवार को आयोजित शिविर में दिव्यांगों को परेशानी से जूझाया गया। जो लगाने-फिरने में असमर्थ हैं, उनके लिए सिस्टम बैठने तक की उचित व्यवस्था नहीं कर सका। तमाम दिव्यांगों को जमीन पर ही बैठना पड़ा। उनका दूर छलका, मगर उन्हें नहीं दिया, जो जिमेदार है। दरअसल, हर सोमवार को सीएमओ कार्यालय में शिविर लगता है, जिसमें दिव्यांग प्रमाण पत्र संबंधी कार्य के लिए आते हैं। लेकिन यहां मंडिकल परीक्षण करने के लिए डॉक्टर का आने का समय 12 बजे से है, जिसके बदले दूसरे दिव्यांगों को इतने जारी करना चाहिए। वहां दिव्यांगों की ही समस्या का विस्तार होता है। अन्य आपसूं होकर घर लौट जाते हैं। यहां तीन लौल येराय है, जबकि जरूरत वाले आगे बाल 90 फीट सदी दिव्यांगों को होती है। वही कार्यालय तक जाने के लिए रैप भी नहीं बीमी हुई है। सुबह 3 यहां खास्य अफसरों का आवागमन रहता है, लेकिन दिव्यांगों की समस्या की ओर किसी भी नजर नहीं जाती है। यहां बैठने की उचित व्यवस्था न होने के कारण दिव्यांग जमीन पर बैठे दी जाती है।

## अल्ट्रासाउंड जांच के लिए तारीख ले लाइए मगर पहले मत आइए

बरेली, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच करना मरीजों के लिए एक खास विवाह ही है। यहां कोई मरीज ज्यादा आ रहे हैं, मार जांच के लिए मरीज एक ही है। ऐसे मरीजों को जांच के लिए 10 से 15 दिन आगे की तारीखों दी जा रही है। अब तो अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी रखा रहा दिया गया है। जिस पर लिखा है कि जिस दिन की तारीख के बाद भी उसी दिन आएं, अन्य दिवस पर आने पर अग्र तारीखी दी जाएं। अन्य आपसूं में दिव्यांगों को परेशानी से जूझाया जाएगा। अल्ट्रासाउंड की एक मशीन है, लेकिन रोजाना जांच के लिए 60 से 70 मरीज आते हैं। वर्षों से अपसूं में भर्ती गंभीर मरीजों को जांच के लिए एक दौड़ी है। ऐसे मरीजों को जांच के लिए 10 से 15 दिन आगे की तारीखों दी जा रही है। अब तो अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी रखा रहा दिया गया है। जिस पर लिखा है कि जिस दिन की तारीख के बाद भी उसी दिन आएं। रस्टाके अनुसार यहां अल्ट्रासाउंड की एक मशीन है, लेकिन रोजाना जांच के लिए एक दौड़ी है। अन्य आपसूं में अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर बड़ी संख्या में मरीज इंजीनर जाएंगे। जिसके बारे में नोटिस भी जारी होती है। अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी रखा रहा दिया गया है। अब तो अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी जारी होती है। अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी जारी होती है। अब तो अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर नोटिस भी जारी होती है।

## 37

## अवैध कब्जेदारों को अंतरिम नोटिस जारी

## कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में एक मरीजे हुए बवाल के बाद से नगर निगम सरकारी भूमि पर बने अवैध कब्जों को उत्तराधिकारी करने में दिव्यांगों को आयोजित शिविर में दिव्यांगों को परेशानी से जूझाया गया। जो लगाने-फिरने में असमर्थ हैं, उनके लिए सिस्टम बैठने तक की उचित व्यवस्था नहीं कर सका। तमाम दिव्यांगों को जमीन पर ही बैठना पड़ा। उनका दूर छलका, मगर उन्हें नहीं दिया, जो जिमेदार है। दरअसल, हर सोमवार को सीएमओ कार्यालय में शिविर लगता है, जिसमें दिव्यांग प्रमाण पत्र संबंधी कार्य के लिए आते हैं। लेकिन यहां मंडिकल परीक्षण करने के लिए डॉक्टर का आने का समय 12 बजे से है, जिसके बदले दूसरे दिव्यांगों को इतने जारी करना चाहिए। वहां दिव्यांगों की ही समस्या का विस्तार होता है। अन्य आपसूं होकर घर लौट जाते हैं। यहां तीन लौल येराय हैं। वहां दिव्यांगों की समस्या की ओर किसी भी नजर नहीं जाती है। यहां बैठने की उचित व्यवस्था न होने के कारण दिव्यांग जमीन पर बैठे दी जाती है।

● डॉलीपीर तालाब और कोहाड़ीपीर इलाके में निगम की जमीन पर बने भवनों के स्वामियों को जारी किए नोटिस



डॉलीपीर तालाब पर बने इन घरों पर चर्या किए गए हैं नोटिस।

## शासन तक गुहार लेकिन खाली हाथ

नोटिस चर्या होने के बाद इन आवासों में सोबत वाले लोग परेशान हैं। कई बार निगम अधिकारियों से कार्यालय न करने की गुहार लोगों ने शासन के बाहर लोगों की ओर लाइट लौट दिया है। इस पर आवासों के बाहर लोगों ने आवासों की ओर लाइट लौट दिया है। इस पर आवासों के बाहर लोगों ने आवासों की ओर लाइट लौट दिया है। इस पर आवासों के बाहर लोगों ने आवासों की ओर लाइट लौट दिया है। इस पर आवासों के बाहर लोगों ने आवासों की ओर लाइट लौट दिया है। इस पर आवासों के बाहर लोगों न





